महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

कहानीकार डॉ. विजयमोहन सिंह बने हिंदी विवि में 'राइटर-इन-रेजिडेंस'

वर्धा दि. 10 अप्रैल 2010: प्रख्यात कहानीकार और आलोचक डॉ. विजयमोहन सिंह महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में 'राइटर-इन-रेजिडेंस' के रूप में जुड़ गए हैं। डॉ. विजयमोहन सिंह ने 1960 से 1969 तक आरा (बिहार) के डिग्री कॉलेज में अध्यापन किया। उन्होंने 1973 से 1975 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के रामलाल आनंद कालेज और 1975 से 1982 तक हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला में अध्यापन कार्य किया। 1983 से 1990 तक भारत भवन, भोपाल में उन्होंने 'वागर्थ' पत्रिका का संचालन किया। वे 1991 से 1994 तक हिंदी अकादमी, दिल्ली के सचिव रहे। डॉ. विजयमोहन सिंह ने कई पत्रिकाएं और संकलनों का संपादन भी किया है। उनके पांच कहानी संग्रह प्रकाशित हुए हैं जिसमें टट्टू सवाल, एक बंगला बने न्यारा, शेरपुर पन्द्रह मील,

गमे हस्ती कहूं किससे और चाय के प्याले में गेंद शामिल हैं। उनका उपन्यास 'कोई वीरानी सी वीरानी है' साहित्य जगत में काफी चर्चित रहा है। कहानी संग्रह के अलावा उनकी आठ आलोचना पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट से प्रकाशित यूनेस्को कूरियर के कुछ महत्वपूर्ण अंकों तथा एन.सी.ई.आर.टी. के लिए राजा राममोहन राय की जीवनी का हिंदी अनुवाद किया है। वे हिंदी साहित्य की अनेक विशिष्ट पत्रिकाओं में निरंतर लिख रहे हैं। वे इस उम्र में भी एक युवा की तरह अत्यंत जोश और गंभीरता से अध्ययन और लेखन कार्य में संलग्न हैं। उनका कहना है कि 'मैं लेखन में भाषा, चिंतन और दृष्टि के किसी भी प्रकार के उलझाव को पसन्द नहीं करता, भाषा का समझ की स्पष्टता से सीधा संबंध है-उलझावपूर्ण तथा अबूझा शब्द तथा वाक्य विन्यास लिखना मेरी समझ में लेखक की ही 'समझ' का दिवालियापन हैं। अत: मैंरे इससे बचने का कोई प्रयत्नपूर्वक प्रयास नहीं किया है- बल्कि मैं प्रारंभ से ही तर्क संगत, सीधे तथा स्पष्ट ढंग से सोचने-लिखने का अभ्यस्त रहा हूं।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी